Class - 6

Subject - HINDI COURSE BOOK

पाठ – 7 मेंढ़की का ब्याह

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. लोग व्याकुल क्यों थे?

उत्तर गाँव में वर्षा नहीं होने के लोग व्याकुल थे।

ख. गाँव में किसकी कमी नहीं थी?

उत्तर गाँव में बुद्धिमानों की कमी नहीं थी।

ग. मेंढ़क–मेंढ़की की शादी में क्या–क्या रस्में अदा हुई?

उत्तर मेंढ़क–मेंढ़की की शादी में सगाई, फलदान, शगुन, तिलक, आतिशबाजी और दावत जैसी सभी रस्में धूम–धाम के साथ अदा हुई।

घ. वर्षा होने के बाद गाँव की क्या स्थिति हो गई थी?

उत्तर वर्षा होने के बाद गाँव की स्थिति खराब हो गई। नदियों में बाढ़ आ गई। सड़कें कट गई तथा खेतों में पानी भर गया। आठ–दस दिन के बारिश में गाँव में भीषण बरबादी हुई।

3. लिखित :–

क. गाँव में वर्षा होने के लिए लोगों ने क्या–क्या उपाय किए?

उत्तर गाँव में वर्षा होने के लिए टोने–टोटके, धूप–दीप और पूजा–पाठ जैसे अनेक उपाय किए गए। अंत में यह निर्णय लिया गया कि इंद्र वर्षा के देवता हैं। इसलिए उन्हें ही प्रसन्न करना होगा।

ख. वर्षा होने के लिए नावते ने क्या उपाय बताया?

उत्तर वर्षा होने के लिए नावते ने मेंढ़क–मेंढ़की के ब्याह का उपाय गाँव वालों को बताया। नावते ने कहा इंद्र वर्षा के देवता हैं। वे टर्र–टर्र की आवाज में इंद्र देवता जय–जयकार करते हैं। जिससे वे प्रसन्न होकर वर्षा देते हैं।

ग. लोगों ने अनाज किस आशा से बोया था?

उत्तर गाँव वालों ने कुछ समाचार पत्रों में पढ़ा था कि कोलकाता और चेन्नई की तरफ जोर की वर्षा हुई है। आषाढ़ आते ही थोड़ी वर्षा हुई भी थी। आगे भी बरसेगा, इसी आशा में लोगों ने अनाज बो दिया था।

घ. नावते ने वर्षा रोकने का क्या उपाय बताया?

उत्तर नावते ने वर्षा रोकने के लिए मेंढ़क–मेंढ़की का तलाक करवाने का उपाय बताया।

ङ इस अध्याय में लेखक ने किस पर व्यंग्य किया है?

उत्तर इस अध्याय में लेखक ने अंधविश्वास और रूढ़िवादियों को निशाना बनाया है। मेंढ़की का ब्याह कहानी में इंद्र देवता को प्रसन्न करने के लिए मेंढ़क–मेंढ़की के विवाह की रस्म से वर्षा होने तथा अधिक वर्षा से आई बाढ़ को रोकने के लिए तलाक करवाने के अंधविश्वास पश्र लेखक वृंदावनला वर्मा ने करारा व्यंग्य किया है।

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न नावता नौ दो ग्यारह क्यों हो गया था?

उत्तर मेंढ़क–मेंढ़की तलाक क्रिया के बाद भी पानी बरसना बंद न हुआ। अत्यधिक बारिश के कारण गाँव में चारों ओर तबाही मची थी। लोग गाँव छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए। गाँव की ऐसी दुर्दशा देखकर नावता डर गया कि कहीं गाँववालों का सारा गुस्सा नावता पर न फूट पड़े। इसी डर से नावता नौ दो ग्यारह हो गया।